



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 219]

मई विलो, गुग्नवार, नवम्बर 17, 1978/कार्तिक 26, 1900

No. 219]

NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 17, 1978/KARTIKA 26, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संलग्न दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के लिए रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारीता भविष्यत
(वाणिज्य विभाग)

आपात व्यापार नियंत्रण
सार्वजनिक सूचना सं० 86-आईटी सी(पी एन)/78

नई दिल्ली, 17 नवम्बर, 1978

विषय :—1978-79 की आपात नीति—विना गढ़े हुए तांबे का आपात

मि. सं. आईटी सी/43/4/78.—वास्तविक उपयोक्ताओं को, जूलाइ-सितम्बर, 1978 की तिथिकों के लिए अपनी अपूर्व आवश्यकताओं के संबंध में आवंटित तांबे से सम्बद्ध वाणिज्य विभाग की सार्व. सू. सं. 69-आईटी-सी. (पी. एन.)/78 दिनांक 28 सितम्बर, 1978 के उपर्योग 2(6) की ओर ध्यान दिलाया जाता है।

2. नीति की पुनरीक्षा करने पर यह नियन्त्रण किया गया है कि वास्तविक उपयोक्ता अपनी अपूर्व आवश्यकताओं को जूलाइ-सितम्बर की अवधि की (जैसी नीति पौराभावित है) 28 नवम्बर, 1978 तक भारतीय खनिज एवं धातु व्यापार नियम के पास पंजीकृत करना सकते हैं। ऐसी “अपूर्ण” आवश्यकताएं विना गढ़े हुए तांबे की मात्रा को प्रदर्शित करते हैं, जिसका परिकलन दिसम्बर, 1977 से जून, 1978 तक औसत मासिक कुल सरीद में से जूलाइ—सितम्बर, 1978 के वर्तमान सरणीबद्ध अभिकरणों/एच. सी. एल. इवारा पहले से प्राप्त मात्रा को घटा कर किया जाएगा। जूलाइ-सितम्बर, 1978 के लिए इस प्रकार परिकलित अपूर्ण आवश्यकताओं का केवल दो-तिहाई भाग, जो भारतीय खनिज एवं धातु व्यापार नियम इवारा संविधान करने पर ठीक पाया

जाय का संभरण दो बराबर किस्तों में अक्टूबर, 1978 और नवम्बर, 1978 के मास में सरणीबद्ध अभिकरण के पास सम्बद्ध वास्तविक उपयोक्ता के पंजीकरण के महीने किए जाने वाले आवंटन के साथ किया जाएगा। तीक्कन ऐसे वास्तविक उपयोक्ता जिन्होंने अक्टूबर, 1978 के लिए अपनी मूल मासिक आवश्यकताओं को खनिज तथा धातु व्यापार नियम के पास पंजीकृत नहीं करवाया है, वे उपर्युक्त प्राप्तधानों के अनुसार अक्टूबर, 1978 में दो दिन जूलाइ-सितम्बर, 1978 की अपनी अपूर्व आवश्यकताओं को प्राप्त करने के हकदार नहीं होंगे।

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES & CO-OPERATION

(Department of Commerce)

Import Trade Control

PUBLIC NOTICE NO. 86-ITC(PN)/78

New Delhi, the 17th November, 1978

Subject : Import Policy, 1978-79—Import of Copper unwrought.

F. No. IPC/43/4/78.—Attention is invited to sub-para 2(vi) of the Department of Commerce Public Notice No. 69-ITC (PN)/78 dated the 28th September, 1978 pertaining to allotment of copper to Actual Users in respect of their unserviced requirements for July—September, 1978 quarter.

2. On a review of the position, it has been decided that eligible Actual Users may register their unserviced requirements of July—September period (as defined hereunder) with the Minerals & Metals Trading Corporation not later than the 28th November, 1978. Such “unserviced” requirements will represent the quantity of copper unwrought as worked out on the basis of the average monthly off-take during December 1977 to June 1978 minus the quantity already

drawn from the canalising agency/HCL for the period July—September, 1978. Only two-thirds of the unserviced requirements for July—September 1978 period so worked out, as may be found to be in order on scrutiny by the MMTC, will be supplied in two equal instalments, each along with the allocation to be made to the Actual User concerned against his registration with the canalising agency for the months of October, 1978 and November 1978. Actual Users who did not register with the MMTC for their basic monthly requirement for October, 1978 would, however, not be entitled to receive their unserviced requirement of July—September 1978 due in October 1978 as per the above provision.

सार्वजनिक सूचना सं. 85-आइ.टी.सी. (पी.एन.)/78

नह्य दिल्ली 17 नवम्बर, 1978

विषय : आयात नीति, 1978-79

नि. सं. आई. पी. सी./3/15/78.—वाणिज्य विभाग की सार्वजनिक सू. सं. 70-आई.टी.सी. (पी.एन.)/78 विनांक 28 सितम्बर, 1978 द्वारा यथा संशोधित वाणिज्य विभाग की सार्वजनिक सूचना सं. 67-आई.टी.सी. (पी.एन.)/78 विनांक 14 सितम्बर, 1978 के अंतर्गत आयात-नीति, 1978-79 के अध्याय 6 में जोड़ गए पैरा 40-क की ओर ध्यान दिलाया जाता है।

2. उक्त पैरा 40-क की प्रथम पंक्ति को निम्न प्रकार से पढ़ा जाने के लिए संशोधित किया गया समझा जाए :—

“वास्तविक उपयोक्ता (आई.टी.सी.ए) और उपर्युक्त सुविधा के लिए पात्र हैं, उन्हें परिशष्ट 8 में सूचीबद्ध ऐसी सारणीबद्ध

मदों को सीधे आयात करने की भी अनुमति दी जा सकती है जो नियत उत्पाद(व) में प्रयुक्त होती है—लेकिन उन ‘विनीदिष्ट’ सरणीबद्ध मदों को छोड़कर जिनके आयात एवं वितरण के लिए आयात-नीति किया विधि दृष्टि वर्ष 1978-79 में अलग से व्यवस्था की गई है।

का.वृं शेषाद्रि, मुख्य नियंत्रक, आयात-नीति

PUBLIC NOTICE NO: 85-ITC(PN)/78

New Delhi: the 17th November, 1978

Subject : Import Policy, 1978-79

F. No. IPC/3/15/78.—Attention is invited to para 40-A in Chapter 6 of the Import Policy, 1978-79 inserted under the Department of Commerce Public Notice No. 67-ITC(PN)/78, dated the 14th September, 1978, as amended by the Department of Commerce Public Notice No. 70-ITC(PN)/78, dated the 28th September, 1978.

2. The first sentence of the said para 40-A shall be deemed to have been amended to read as under :—

“Actual Users (Industrial) who are eligible to the above facility may also be allowed to import directly such canalised items listed in Appendix 8, as are used in the export product(s)—excluding, however, those ‘specified’ canalised items for the import and distribution of which there is separate provision made in the Hand Book of Import-Export Procedures, 1978-79.”

K. V. SESHADRI, Chief Controller of Imports & Exports